भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
पाक्षिक समाचार

सम्पर्क

खण्ड –XXV अंक–20 31 अक्टूबर, 2020

न मे विदुः सुरगणाः प्रभवं न महर्षयः। अहमदिर्हि देवानां महर्षीणां च सर्वशः।।

मेरी उत्पत्ति को अर्थात् लीला से प्रकट होने को न देवता लोग जानते हैं और न महर्षिजन ही जानते हैं; क्योंकि मैं सब प्रकार से देवताओं का और महर्षियों का भी आदि कारण हूँ। **श्रीमद्भगवद्गीता 10/2**

बधाई

- **प्रो. भीम सिंह,** इलेक्ट्रिकल इंजीनियरी विभाग को प्रतिष्ठित **''इंटरनेशनल सोलर अलाइंस – हरियाणा कल्पना चावला सोलर अवार्ड 2020''** प्राप्त होने पर हार्दिक बधाई। दिनांक 14 अक्टूबर, 2020 को दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में अंतरराष्ट्रीय सौर ऊर्जा संगठन के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित तृतीय सम्मलेन में इन पुरस्कारों की घोषणा की गई। इंटरनेशनल सोलर अलाइंस – हरियाणा कल्पना चावला सोलर अवार्ड की शुरुआत हरियाणा सरकार ने स्वर्गीय कल्पना चावला की अनन्त स्मृति में की है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर के वैज्ञानिकों को सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नवाचार के लिए प्रोत्साहित करना है। इस पुरस्कार में 24.40 लाख रुपये की नकद राशि प्रदान की जाती है।

- **डॉ. नीरज चौरसिया,** केन्द्रीय पुस्तकालय को उनके प्रोफेशनल योगदान हेतु स्पेशल लाइब्रेरीज एसोसिएशन (एसएलए) यू.एस.ए.,के इंजीनियरिंग डिविजन द्वारा प्रतिष्ठित **'एसएलए इंजीनियरिंग लाइब्रेरियन अवार्ड 2020'** प्रदान किया गया है। उन्हें 13 अक्टूबर, 2020 को आयोजित **'एसएलए वर्चुअल वार्षिक सम्मेलन 2020'** के दौरान इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान प्रोफेशन में प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक है।

स्वागत

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-3/2020/265002 दिनांक 14.10.2020 के अनुसार **प्रो. राहुल मिश्रा** ने 24.09.2020 से संस्थान के अनुप्रयुक्त इलैक्ट्रॉनिकी अनुसंधान केन्द्र (केयर) में सातवें वेतन आयोग के लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. राहुल मिश्रा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए, संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/U-1/264615 दिनांक 13.10.2020 के अनुसार **प्रो. वेंकट विवेक कुमार कोप्पुला** ने 01.10.2020 से संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. वेंकट विवेक कुमार कोप्पुला को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए, संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं.IITD/IES1/U-1/264535 दिनांक 13.10.2020 के अनुसार **प्रो. (सुश्री) कीर्ति चौधरी** ने 30.09.2020 से संस्थान के कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरी विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. (सुश्री) कीर्ति चौधरी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए, संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/258715 दिनांक 18.09.2020 के अनुसार **प्रो. कौस्तुव मन्ना** ने 01.09.2020 से संस्थान के भौतिकी विभाग में सातवें वेतन आयोग लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. कौस्तुव मन्ना को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए,

संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2020/258717 दिनांक 18.09.2020 के अनुसार **प्रो. बिस्वज्योति साहा** ने 04.09.2020 से संस्थान के गणित विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. बिस्वज्योति साहा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए, संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/266162 दिनांक 19.10.2020 के अनुसार **प्रो. (सुश्री) मनीषा ठकुराठी** ने 30.09.2020 से संस्थान के भौतिकी विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. (सुश्री) मनीषा ठकुराठी को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए, संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं.IITD/IES1/U-3/2020/266098 दिनांक 19.10.2020 के अनुसार **प्रो. (सुश्री) चारू मोंगा** ने 01.10.2020 से संस्थान के डिजाइन विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल–11 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–II के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. (सुश्री) चारू मोंगा को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए, संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2020/261757 दिनांक 30.09.2020 के अनुसार **प्रो. पंकज अग्रवाल** ने 18.09.2020 से संस्थान के भौतिकी विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/E-I/2020/266048 दिनांक 16.10.2020 के अनुसार **डॉ. नीरज गोयल** ने 12.10.2020 से संस्थान के विद्युत इंजीनियरी विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2020/260565 दिनांक 25.09.2020 के अनुसार **डॉ. (सुश्री) सुरिंदर कौर** ने 09.09.2020 से संस्थान के गणित विभाग में पोस्ट डॉक्टरल फेलो के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

- स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं.IITD/IES1/2020/267285 दिनांक 22.10.2020 के अनुसार **प्रो. आशुतोष राय** ने 20.10.2020 से संस्थान के गणित विभाग में सातवें वेतन आयोग के लेवल–12 में सहायक प्रोफेसर ग्रेड–I के रूप में कार्यभार ग्रहण किया है।

  प्रो. आशुतोष राय को उनकी नियुक्ति से तीन वर्ष की अवधि अथवा वेतन लेवल 13ए1 प्राप्त करने तक जो भी पहले हो के लिए, संस्थान द्वारा प्रायोजित 'युवा संकाय प्रोत्साहन फेलोशिप' भी प्रदान की गई है।

प्रो. सप्तऋषि मुखर्जी

मानविकी एवं समाज विज्ञान विभाग के **प्रो. सप्तऋषि मुखर्जी** (सह–प्रोफेसर) को अन्तर भा.प्रौ.सं. विनिमय कार्यक्रम के अर्न्तगत 01.02.2021 से 31.01.2022 अर्थात् एक वर्ष के लिए भा.प्रौ.सं. जोधपुर में प्रतिनियुक्त किया गया है।

त्यागपत्र स्वीकृत

स्थापना अनुभाग–I से प्राप्त विज्ञप्ति सं. IITD/IES1/2020/267428 दिनांक 22.10.2020 के अनुसार **डॉ. वसीम रज़ा**, पोस्ट डॉक्टरल फेलो (रसायन विज्ञान विभाग) ने अपने पद से त्यागपत्र का अनुरोध किया था। जिसे सक्षम प्राधिकारी ने 31.10.2020 से स्वीकार कर लिया है। अतः उन्हें 31.10.2020 से संस्थान कार्य से मुक्त कर दिया गया है।

श्रीमती विजय–ऊषा सोढ़ा अनुसंधान अवार्ड 2019–2020

ऊर्जा अध्ययन केन्द्र के पूर्व पीएच.डी. छात्र **डॉ. सुनील इंदौरा,** प्रविष्टि संख्या 2012ESZ8092 का चयन सत्र 2019–2020 के 'श्रीमती विजय–ऊषा सोढ़ा अनुसंधान अवार्ड' के लिए किया गया है। इस अवार्ड में प्रमाणपत्र के साथ 25,000/–रु. नकद का अवार्ड दिया जाता है। ऊर्जा अध्ययन केन्द्र की केन्द्र अनुसंधान समिति द्वारा सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पेपर्स के लिए यह अवार्ड दिया जाता है।

सेवानिवृत्तियाँ

संस्थान के निम्नलिखित संकाय एवं स्टाफ सदस्य अधिवर्षिता की आयु होने पर **31 अक्टूबर 2020** को अपराह्न में संस्थान से सेवानिवृत्त हो रहे हैं :–



प्रो. मनोज दत्ता, प्रोफेसर, सिविल इंजीनियरी विभाग

प्रो. मनोज दत्ता ने 16.10.1980 को संस्थान में लेक्चरर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 28.05.1986 को आपको सहायक प्रोफेसर, 01.04.1991 को सह प्रोफेसर तथा 01.08.1997 को आपको प्रोफेसर के रूप में पदोन्नत किया गया। आपने 40 वर्षों तक शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य किया।

आपने 2008 से 2013 तक (भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पुनर्ग्रहणाधिकार पर) पंजाब

इंजीनियरी कॉलेज (मानद विश्वविद्यालय) चण्डीगढ़ में निदेशक का पद संभाला। भा.प्रौ.सं. दिल्ली में वर्ष 1982 से 1985 तक आपने ज्वालामुखी छात्रावास में वार्डन; 1993–1997 तक अध्यक्ष, बी.आर.सी.ए.; 2001 से 2004 तक उपाध्यक्ष (सम्पदा एवं निर्माण); 2004 से 2007 तक संकायाध्यक्ष (अल्युमनी एवं अन्तरराष्ट्रीय कार्यक्रम) तथा 2014 से 2017 तक सिविल इंजीनियरी विभाग में अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

आपने भा.प्रौ.सं. दिल्ली से 'डायरेक्टर सिल्वर मेडल' के साथ बी.टेक. (सिविल इंजीनियरी) की उपाधि प्राप्त की तथा इसी संस्थान से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की।

आपके विशेषज्ञता क्षेत्रों में भू–तकनीक तथा भू–पर्यावरणीय इंजीनियरी, मृदा यांत्रिकी, नींव इंजीनियरी, ग्राउण्ड इंजीनियरी, जमीनी बांध, लैण्डफिल इंजीनियरी, राख तालाबों एवं टेलिंग तालाबों का डिजाइन शामिल रहे हैं।

आपने लैण्डफिल्स, ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन तथा ऐश पाउन्ड्स के क्षेत्र में तीन पुस्तकें सम्पादित की हैं। आपने छठी इन्टरनेशनल कांग्रेस ऑन एनवायरनमेन्टल जियोटैक्नीक्स की 1800 पृष्ठों की कार्यवाही (Proceedings) भी तैयार की। प्रो. एस.के गुलाटी के साथ आपने सह–सम्पादक के रूप में स्नातक पूर्व छात्रों के लिए 'जियोटैक्निकल इंजीनियरिंग' नामक पाठ्यपुस्तक का सम्पादन किया। पत्र–पत्रिकाओं एवं सम्मेलनों में आपने 160 से अधिक पेपर्स प्रकाशित किए। आपने 11 पीएच.डी. थीसिस तथा 60 से अधिक एम.टेक. थीसिस का मार्गदर्शन किया।

आप भू–तकनीक तथा भू–पर्यावरणीय इंजीनियरी के क्षेत्र में 150 से अधिक परियोजनाओं के सलाहकार रहे हैं। एच. डब्ल्यू. लैंडफिल्स, एम.एस.डब्ल्यू लैण्डफिल्स, ऐश पाउन्ड्स तथा टेलिंग पाउन्ड्स सहित भारत में योजना डिजाइन, निर्माण तथा कई अपशिष्ट निपटान स्थलों के सुधार करने में शामिल रहे हैं।

आप MoEF एवं CC, DST ONGC तथा अन्य द्वारा वित्त पोषित 9 प्रायोजित परियोजनाओं के प्रमुख अन्वेषक रहे हैं। आप यूरोप कमीशन द्वारा निधिबद्ध 'एशिया में पर्यावरण संरक्षण' परियोजना के लिए भारत टीम लीडर रहे। इस परियोजना में नीदरलैण्ड, जर्मनी एवं चीन से भी भागीदार संस्थान थे।

नगरपालिका ठोस अपशिष्ट लैंडफिल्स तथा खतरनाक अपशिष्ट लैण्डफिल्स के लिए दिशा–निर्देश निर्धारण तथा नियमावली डिजाइन के लिए आप केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के साथ–साथ शहरी विकास मंत्रालय से जुड़े हुए हैं। खतरनाक तथा नगरपालिका ठोस अपशिष्ट के सुरक्षित निपटान के लिए सभी प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों तथा सभी राज्यों के लैण्डफिल्स ऑपरेटरों द्वारा लैण्डफिल्स के लिए कवर तथा लाइनर्स के डिजाइन तथा निर्माण पर नियमावली प्रयोग किए जा रहे हैं। 2019 में MoEF & CC द्वारा प्रायोजित परियोजना के अन्तर्गत आपने नेटवर्क ऑफ एक्सपर्ट एण्ड रिसोर्सिज फॉर कॉन्टामिनेटिड साइट्स (NERCS) की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आपने इण्डियन जियोटेक्निकल सोसाइटी के 6 सर्वश्रेष्ठ–पेपर अवार्ड प्राप्त किए। जुलाई, 2008 में आपको इण्डियन जियोटेक्निकल सोसाइटी (दिल्ली चैप्टर) लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया तथा 2011 को कोच्चि में इण्डियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेन्स में प्रतिष्ठित IGS वार्षिक व्याख्यान देने के लिए सम्मानित किया गया। आपको 2017 में इण्डियन जियोटेक्निकल सोसाइटी के दिल्ली चैप्टर का 'लाइफटाइम अचीवमेन्ट अवार्ड' तथा 2018 में भा.प्रौ.सं. दिल्ली से टीचिंग ऐक्सिलेन्सि अवार्ड प्राप्त है।

आपने (क) अपतटीय मृदा यांत्रिकी, (ख) अपतटीय संरचनाओं के लिए पाइल्ज़ तथा लंगर का डिजाइन, (ग) लैण्डफिल्स, कोल–ऐश पाउन्ड्स, माइन टेलिंग पाउन्ड्स का डिजाइन एवं निर्माण, (घ) संदूषित स्थलों की लक्षण वर्णन तथा उपचार (ड.) अर्थ फील्स तथा तटबंध में अपशिष्ट पदार्थों का पुनः उपयोग के क्षेत्रों में राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विनम्र स्वभाव के प्रो. मनोज दत्ता अपने संकाय सहकर्मियों, स्टाफ एवं विद्यार्थियों के बीच अत्यन्त लोकप्रिय रहे हैं।

श्री हरिराम (25493), कनिष्ठ अधीक्षक, जे.ई.ई. कार्यालय



श्री हरिराम ने 18.03.1983 को संस्थान में अटेन्डेन्ट के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 17.07.1987 को आपको अवर श्रेणी लिपिक तथा 22.06.1992 को प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में नियुक्त किया गया। 01.05.1998 को आर.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको वरिष्ठ सहायक के रूप में मैप किया गया तथा 01.07.2004 को इसी योजना के अन्तर्गत कनिष्ठ अधीक्षक के रूप में पदोन्नत किया गया। 22.06.2012 को एम.ए.सी.पी.एस. के अन्तर्गत आपको उन्नयन दिया गया। श्री हरिराम एक कर्मठ, मिलनसार एवं मेहनती कनिष्ठ अधीक्षक रहे हैं।

श्री बृज भूषण शर्मा (70099), कनिष्ठ मैकेनिक (वर्कचार्ज), निर्माण विभाग



श्री बृज भूषण शर्मा ने 31.03.1989 को संस्थान में हेल्पर (वर्कचार्ज) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था। 01.04.1997 को आपको 950–1400/– के वेतनमान पर पुनर्नियुक्त किया गया। 01.09.2008 को आपको एम.ए.सी.पी. के अंतर्गत 2000 रू के ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया। 04.04.2016 को आपको कनिष्ठ मैकेनिक के रूप में पदनामित किया गया। 01.09.2018 को आपको एम.ए.सी.पी. के अंतर्गत 2400 रू के ग्रेड वेतन में उन्नयन दिया गया। श्री बृज भूषण शर्मा कर्मठ एवं मेहनती कनिष्ठ मैकेनिक रहे हैं।

श्री जगदीश चन्द (50457), अटेन्डेन्ट, निदेशक कार्यालय



श्री जगदीश चन्द ने 02.01.1987 को संस्थान में अटेन्डेन्ट के रूप में 196–232/–रु. (संशोधित 750–940/–रु.) के वेतनमान में कार्यभार ग्रहण किया था। 01.02.1992 को आपको 800– 1150/–रु. (संशोधित 2650–4000/–रु.)का वेतनमान तथा 01.02.2002 को एम.ए.सी.पी. के अन्तर्गत 3050–4590/–रु. का वेतनमान दिया गया। 01.01.2006 को आपको 5200–20200/–रु. + 1900/–रु. का ग्रेड वेतन तथा 01.02.2012 को एम.ए.सी. पी. के अन्तर्गत 5200– 20,2000/–रु. + 2000/रु. ग्रेडवेतन का वेतनमान दिया गया। 01.01.2016 को आपको सातवें वेतन आयोग की वेतन मैट्रिक्स का लेवल–3 (21700–69100/–रु.) का वेतनमान दिया गया। श्री जगदीश चन्द एक मेहनती एवं कर्मठ अटेन्डेन्ट रहे हैं।

श्री ओम प्रकाश (50148), अटेन्डेन्ट, रासायनिक इंजीनियरी विभाग



श्री ओम प्रकाश ने 26.10.1984 को संस्थान में अटेन्डेन्ट के रूप में 196–232/–रु. (संशोधित 750– 940/–रु.) के वेतनमान में कार्यभार ग्रहण किया था। 01.11.1989 को आर.सी.डी.एस. के अन्तर्गत आपको 800–1150/–रु. (संशोधित 2650– 4000/–रु.) का वेतनमान तथा 01.11.1997 को इसी योजना के अन्तर्गत आपको 3050–4590/–रु. का वेतनमान दिया गया। 01.01.2006 को आपको 5200–20200/–रु.+ 1900/–रु. का ग्रेड वेतन तथा 01.09.2008 को एम.ए.सी. पी. के अन्तर्गत 5200–20,2000/–रु. + 2000/रु. ग्रेड वेतन का वेतनमान दिया गया। 01.09.2018 को आर.एण्ड पी.आर. एस. के अन्तर्गत आपको सातवें वेतन आयोग की वेतन मैट्रिक्स का लेवल–4 दिया गया। श्री ओम प्रकाश एक कर्मठ एवं कर्तव्यपरायण अटेन्डेन्ट रहे हैं।

श्री टीका सिंह (60166), हेल्पर–उदयगिरी छात्रावास



श्री टीका सिंह ने 01.10.2007 को संस्थान के छात्रावास में कार्यभार ग्रहण किया था। आपने 13 वर्षों तक संस्थान के विभिन्न छात्रावासों में हेल्पर के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। श्री टीका सिंह एक मेहनती एवं परिश्रम हेल्पर रहे हैं।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

स्थापना अनुभाग–2 से प्राप्त विज्ञप्ति संख्या- IITD/Estt.-2/2020/260169 दिनांक 24.09.2020 के अनुसार **श्रीमती सुमन बाला भाटिया,** वरिष्ठ अधीक्षक ने 08.09.2020 को स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया था। जिसे सक्षम प्राधिकारी ने स्वीकार कर लिया है। अतः श्रीमती भाटिया 07.10.2020 को संस्थान से सेवानिवृत्त हो गई हैं।

राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत अनिवार्य रुप से द्विभाषी जारी किए जाने वाले कागजात

1 सामान्य आदेश/General Orders
2 संकल्प /Resolution
3 परिपत्र/Circulars
4 नियम/Rules
5 प्रशासनिक या अन्य प्रतिवेदन/Administrative or other reports
6 प्रेस विज्ञप्तियाँ/Press Release/Communiques
7 संविदाएँ/Contracts
8 करार/Agreements
9 अनुज्ञप्तियाँ/Licences
10 निविदा प्रारूप/Tender Forms
11 अनुज्ञा पत्र/Permits
12 निविदा सूचनाएँ/Tender Notices
13 अधिसूचनाएँ/Notifications
14 संसद के समक्ष रखे जाने वाले/प्रतिवेदन तथा कागज पत्र/Reports and documents to be laid before the Parliament

राजभाषा हिन्दी के अनुसार राज्यों का वर्गीकरण

क्षेत्र क– बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड़, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ख– गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब राज्य तथा चंडीगढ़, दमन और दीव तथा दादरा और नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्र।

क्षेत्र ग– खंड (1) और (2) में निर्दिष्ट राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से भिन्न राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र।

राजभाषा नियम 1976 नियम 5

राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 के अनुसार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर आवश्यक रूप से हिंदी में दिए जाएं (अंग्रेजी में प्राप्त पत्रों की पावती हिंदी में भेजें)। अतः सभी विभाग/केन्द्र/अनुभाग/प्रकोष्ठ/एकक आदि को सूचित किया जाता है कि वे हिंदी में प्राप्त सभी पत्रों का उत्तर केवल हिंदी में दें और उनका रिकॉर्ड रखें। इसका उल्लंघन होने पर संबंधित अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

हिन्दी कक्ष द्वारा सम्पादित एवं प्रकाशित दूरभाषः EPABX 1772, 7144, 1242

मुद्रकः सागर प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स, नई दिल्ली। ई–मेलः sagarprinters@gmail.com